

उपदिशा स्त्री. (तत्.) दो दिशाओं के बीच का कोण (चार उपदिशाएँ हैं. आग्नेय, नैऋत्य, वायव्य और ऐशान्य)।

उपदिष्ट वि. (तत्.) 1. वह व्यक्ति जिसे उपदेश, आदेश, सुझाव आदि दिया गया हो 2. वह कथन जिसके द्वारा उपदेश दिया गया हो।

उपदेव पुं. (तत्.) 1. छोटा देवता, सहायक देवता 2. देवयोनि के पश्चात् की अन्य मानवेतर योनियाँ जैसे यक्ष, गंधर्व आदि।

उपदेवता पुं. (तत्.) दे. उपदेव।

उपदेश पु. (तत्.) सलाह के रूप में दिया गया निर्देश 2. शिक्षा, सीख।

उपदेशक वि. (तत्.) उपदेश देने वाला, अच्छी सीख देने वाला 2. धर्म प्रचार करने वाला।

उपदेशक-वाक्य पुं. (तत्.) मीमां. किसी कार्य को विशेष रीति से करने का उपदेश तु. अतिदेशक वाक्य टि. मीमांसा दर्शन में दो प्रकार के वाक्यों की चर्चा है- विधायक वाक्य तथा सिद्धार्यक वाक्य, पुनः विधायक वाक्य दो प्रकार के होते हैं, उपदेशक वाक्य तथा अतिदेशक वाक्य।

उपदेशन पुं. (तत्.) उपदेश देने की क्रिया या भाव।

उपदेशवाद पुं. (तत्.) काव्य. यह सिद्धांत कि काव्य रचना का उद्देश्य उपदेश देना ही होता है।

उपदेशात्मक वि. (तत्.) 1. उपदेशों से भरा हुआ (ऐसा काव्य. वाक्य आदि) जिसमें उपदेश हों 2. उपदेश जैसा।

उपदेश्य वि. (तत्.) उपदेश का पात्र (शिष्य), जिसे उपदेश या दीक्षा दी जाती हो।

उपदेष्टा वि. (तत्.) उपदेश देने वाला दे.. उपदेशक।

उपद्रव पुं. (तत्.) 1. प्रशा. शांति व्यवस्था को भंग करने वाला प्रायः हिंसात्मक कार्य disorder 2.

हलचल, विप्लव, व्यवस्था भंग 3. उत्पात, दंगा-फसाद 4. आयु. किसी रोग के बीच उपजने वाले दूसरे विकार।

उपद्रवी वि. (तत्.) उपद्रव करने वाला, उत्पाती, फसादी।

उपद्वार पुं. (तत्.) छोटा दरवाजा, बगल का द्वार।

उपद्वीप पुं. (तत्.) छोटा टापू।

उपधर्म पुं. (तत्.) 1. गौण धर्म 2. अ-प्रधान कर्तव्य कर्म।

उपधा स्त्री. (तत्.) 1. प्राचीन काल में राजा आदि द्वारा ली जाने वाली परीक्षा 2. व्या. किसी शब्द में अंतिम वर्ण से पहले का वर्ण जैसे- 'तत्' में उपधा 'अ' है और 'राम' में 'म्'।

उपधातु स्त्री. (तत्.) 1. तत्त्वों का वर्ग जिसके गुणधर्म धातुओं और अधातुओं के बीच के होते हैं, जैसे- जर्मेनियम, एंटीमोनी 2. अप्रधान या अर्धधातु यथा-सोनामाखी, रूपामाखी, तूतिया, काँसा, शिलाजीत metalloid तु. धातु, अधातु।

उपधारण पुं. (तत्.) 1. सम्यक् चिंतन 2. चित्त को किसी एक विषय में लगाना 2. अँकुश आदि में फँसा कर पेड़ के फल आदि नीचे खींचना।

उपधारणा स्त्री. (तत्.) विधि. प्रमाण न होते हुए भी पहले से मानकर चलना ताकि प्रमाण मिलने पर पुष्टि की जा सके, प्रकल्पना। presumption

उपधारा स्त्री. (तत्.) 1. विधि. किसी अधिनियम की धारा section का अंश जिसे पृथक से संख्यांकित किया जाए sub-section 2. नदी की सहायक धारा।

उपधावन पुं. (तत्.) 1. पीछे दौड़ने की क्रिया 2. अनुसरण 3. विचार करना।

उपधि पुं. (तत्.) 1. छल, कपट, माया, प्रपंच 2. भय, धमकी, लालच 3. जैन. आत्मेतर वस्तु जिन्हें अपना मान लिया जाता है जैसे- धन, पुत्र, शरीर, संसार आदि विलो. निरुपाधि।